दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 151
मुरादाबाद
(Monday)
22 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन

GST सुधारों को बचत उत्सव बताकर बोले पीएम मोदी- मेड इन इंडिया पर दें जोर, स्वदेशी पर गर्व

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जाने-अनजाने में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सी विदेशी चीजें जुड़ गई हैं। हमारी जेब में कंघी देशी है कि विदेशी है, हमें पता ही नहीं। अब हमें इससे मुक्ति पानी होगी। हमें वो चीजें खरीदनी होंगी जो भारत में बनी हो, जिसमें हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो, हमें देश के घरों को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। गर्व से कहो कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं, मैं स्वदेशी सामान की बिक्री भी करता हूं। ये हर भारतीय का मिजाज बनना चाहिए। जब ये होगा तो भारत तेजी से विकसित होगा। मेरा आज सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह है कि आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान के साथ, स्वदेशी के इस अभियान के साथ अपने राज्यों में उत्पादन को गति दें। पूरी ऊर्जा और उत्साह से। निवेश के लिए माहौल बनाएं, जब केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढेंगे तो विकसित भारत का सपना पूरा होगा। इसी के साथ मैं इस बचत उत्सव की अनेक शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हमें आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमे देश में ही बनाना चाहिए। जीएसटी की दरें कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैन्युफैक्चरिंग और क्वालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हो। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं।पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भव: के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अगर हम इनकम टैक्स में छूट और जीएसटी में छूट को जोड़ दें तो एक साल में जो निर्णय हुए हैं, उससे देश के लोगों को 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। इसलिए यह बचत उत्सव बन रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में देश में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है। गरीबी को परास्त किया है और गरीबी से बाहर निकलकर एक बहुत बड़ा समूह नियो मिडिल क्लास के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। इस क्लास की अपनी महत्वाकांक्षाएं और सपने हैं। इस साल सरकार ने 12 लाख तक की इनकम को टैक्स मुक्त कर उपहार दिया और जब 12 लाख तक वेतन पर टैक्स शून्य हो जाए तो मध्यमवर्ग को तो काफी सुविधा हो जाती है। अब गरीब की बारी है. नियो मिडिल क्लास की बारी है। अब इन्हें डबल बोनांजा मिल रहा है। जीएसटी कम होने से देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा। घर बनाना, स्कूटर-कार खरीदना हो, इन सब पर अब कम खर्च करना होगा। अब आपका घूमना भी सस्ता होगा, क्योंकि होटल के कमरों पर भी जीएसटी कम कर दिया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्र से एक दिन पहले देश को संबोधित करते हुए कहा कि 22 सितंबर से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लागू होंगे। उन्होंने इसे जीएसटी बचत उत्सव करार दिया, जिससे गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, युवा, महिला, व्यापारी और उद्यमी सभी को फायदा होगा। पीएम ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में यह सुधार सभी के लिए बचत और खुशहाली लाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नवरात्र शुरू होने से एक दिन पहले राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कल से लागू होने वाले वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) सुधार के साथ-साथ कई अन्य मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि कल यानी नवरात्र के पहले दिन 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही नेक्सट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लागू हो जाएंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कल से देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है। इस जीएसटी बचत उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पसंद की चीजों को और ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। हमारे देश के गरीब, मध्यम वर्गीय लोग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी, सभी को ये बचत उत्सव का बहुत फायदा होगा। यानी त्योहारों के इस मौसम में सबका मुंह मीठा होगा।पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान आगे कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भव: के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही पीएम ने देशवासियों को नेक्सट जेनरेशन जीएसटी सुधारों के लागू होने की जानकारी दी। साथ ही कहा कि यह कदम नागरिकों के जीवन में सरलता और बचत लाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर से जुड़े सभी काम 30 सितंबर तक निपटाएं, चुनाव आयोग ने राज्यों को दिए निर्देश

चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया अक्तूबर-नवंबर से शुरू हो सकती है। आयोग का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों को हटाना और पारदर्शिता बढ़ाना है। चुनाव आयोग ने देशभर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि आयोग अक्तूबर-नवंबर से मतदाता सूची की सफाई और अपडेट करने की इस बड़ी कवायद की शुरुआत कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने 10 से 15 दिन में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अब स्पष्ट डेडलाइन तय करते हुए 30 सितंबर को अंतिम तारीख घोषित किया गया है। सभी राज्यों को पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैंपुरानी मतदाता सूचियों का उपयोग कई राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूची पहले ही वेबसाइट पर डाल दी है। 2008 की मतदाता सूची मौजूद है,

श्री नारायण गुरु समाधि कार्यक्रम में पहुंचे राहुल-प्रियंका-सोनिया, कहा- इंसानों के प्रति करुणा जरूरी

कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा श्री नारायण गुरु समाधि कार्यक्रम में वायनाड पहुंचे। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि समानता और सभी प्राणियों के प्रति करुणा आज की राजनीति और समाज के लिए बहुत जरूरी हैं। वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने समाधि दिवस पर गुरु को श्रद्धांजलि दी और याद दिलाया कि गुरु ने जातिवाद व अंधविश्वास के दौर में समाज को एक नई दिशा दी थी।कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड में एसएनडीपी योगम कलपेट्टा यूनियन हॉल में श्री नारायण गुरु समाधि कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि समानता और सभी प्राणियों के प्रति करुणा जैसे विचार आज समाज में और राजनीति में बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि श्री नारायण गुरु को याद करना और आज उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना मेरे लिए सम्मान की बात है।वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने आज प्रसिद्ध सामाजिक सुधारक श्री नारायण गुरु की समाधि दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें समानता और न्याय के मार्गदर्शक बताया। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि गुरु ने ऐसे समय में समाज का नेतृत्व किया जब जातिवाद और अंधविश्वास बहुत ज्यादा था और उन्होंने आधुनिक केरल की नींव रखी। विजयन ने कहा कि गुरु के संदेश आज भी जातिगत भेदभाव और सांप्रदायिक बंटवारे के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित करते हैं। उन्होंने जनता से केरल को एक ऐसा आदर्श समाज बनाने की अपील की, जहां हर कोई भाईचारे में रहे, और जाति या धर्म के आधार पर विवाद न हो। गुरु ने 19वीं और 20वीं सदी में समानता, एकता और मानव गरिमा का परचम बुलंद किया था।

रामदास अठावले बोले- नवरात्रि गरबा पर वीएचपी का फरमान हिंसा का न्योता, सरकार से की अपील

केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने विश्व हिंदू परिषद की तरफ से नवरात्रि पर गरबा को लेकर जारी निर्देश की आलोचना की है। उन्होंने कहा, %वीएचपी कौन होती है यह तय करने वाली कि गरबा में कौन जाएगा और कौन नहीं? यह सलाह कट्टरपंथी तत्वों को हिंसा भड़काने का खुला न्योता है।केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने रविवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें गरबा कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश देने की बात कही गई थी। रामदास अठावले ने कहा कि यह निर्देश हिंसा को बढ़ावा देने जैसा है। नवरात्रि 22 सितंबर से 1 अक्तूबर तक मनाई जाएगी। वीएचपी ने आयोजकों से कहा है कि गैर-हिंदुओं की एंट्री रोकी जाए और पहचान के लिए आधार कार्ड चेक किया जाए, ताकि लव जिहाद की घटनाओं को रोका जा सकेरामदास अठावले ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वीएचपी कौन होती है यह तय करने वाली कि गरबा में कौन जाएगा और कौन नहीं? यह सलाह कट्टरपंथी तत्वों को हिंसा भड़काने का खुला न्योता है। अगर नवरात्रि के दौरान कहीं भी झगड़े या धार्मिक तनाव होते हैं तो इसकी पूरी जिम्मेदारी वीएचपी और उससे जुड़े संगठनों की होगी।

सीएम योगी बोले- जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का होगा सृजन, ये पीएम मोदी का देशवासियों को दिवाली गिफ्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर नमो मैराथन को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने में मिलेगी मदद मिलेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गयी है। यह घोषणा 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर रविवार को नशामुक्त भारत के लिए नमो युवा रन का शुभारंभ करते हुए कही। नमो मैराथन कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे तक जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के जयकारों से युवाओं को हौसला बढ़ाया। युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही- सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर देशवासियों से विकसित भारत का संकल्प लेने और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वर्दीधारी बलों के प्रति आदर रखना होगा, सामाजिक समता के निर्माण के लिए कार्य करना होगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा।

यही पंच प्रण भारतवासियों को विकसित भारत की यात्रा का सारथी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने %विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश% अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अभियान को प्रदेश में युवाओं, किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों और बुद्धिजीवियों का अपार समर्थन मिल रहा है। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में योगदान देने को तैयार है। आत्मनिर्भरता को विकसित होने की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर समाज स्वस्थ समाज से ही बनता है और ऐसे आयोजनों जैसे %नमो मैराथन% से समाज को नई दिशा मिलती है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश में स्वास्थ्य और युवा कल्याण से जुड़े कई अभियानों को गति दी।

विश्व योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, 'खेलो इंडिया', 'फिट इंडिया मूवमेंट', 'सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं' जैसे अभियानों से युवाओं को प्रेरणा मिली। साथ ही 'मिशन रोजगार' के जरिए युवाओं के लिए अवसर सुनिश्चित किए गए। आज वही युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही है।

संपादकीय Editorial

Justice for the Jadrangal Campus

The Jadrangal campus of the Central University is now once again facing legal scrutiny, and the Honorable High Court has imposed a cost of 25,000 on the government's indifferent attitude. While this decision may be seen as a testament to justice for an institution, attempts to undermine the existence of the Central University have been ongoing since its inception in the current political landscape. Why did this institution, which was born in Dharamshala, registered, and lit a ray of hope for educational standards, end up being divided or prevented from flourishing in Dharamshala? Surprisingly, all doors to the Central University's identity were opened in Dharamshala, but the framework for management remained in Dehra. Each time, a new obstacle, a new test. The Jadrangal campus in Dharamshala has undergone numerous tests that were not even legitimate. Files were held up in local offices, stuck in Delhi, stalled in Shimla, and even reached Kolkata. The machinations, plans, and public sympathy at the campus site have never been fully understood, to the extent that multiple hands involved in the murder of an institution can go. Several Union Ministers, several state Chief Ministers, MLAs, and MPs are the perpetrators of this project. Perhaps the legal verdict will sadden such figures. When construction of the university campus began in Dehra at a cost of 250 crore rupees, the land in Jadrangal was cleared of no-objection certificates and ready to be garlanded with a budget of 250 crore rupees. But the situation changed. Government orders and file handling changed. However, one reasonable argument was that if compensation had to be paid to the Forest Department for the land for the institution on its own land, what was the point of creating so much forest? In any case, the government was supposed to remove the uncertainty surrounding construction in Jadrangal by providing 30 crore rupees, which remains unresolved even after time has passed. During this period, all the pressure and scrutiny either focused on the Jadrangal campus or carelessly dismissed all possibilities from here. We have said many times before that new politics does not mean tampering with Himachal's potential, goodwill, sense of duty, and historical background. The establishment of a university in the name of Dharamshala has not only national but also international significance, so which political party prioritized this initiative? Recently, the government approved 19 crore rupees for the water supply of the Dehra campus, but Jadrangal's share has been distributed somewhere. This High Court decision, however, sends a strong message to the government. Legally, there are no more complications or loopholes. The civil society represented by the petitioners deserves credit for carrying the neglect of a normal process to the court. In this context, the government must now step forward and speak out. At least now, the debate should focus not on the campus itself, but on the future of students through the excellence of their courses. The Dharamshala campus of the Central University can naturally inherit international standards of higher education. Efforts should be made to establish at least half a dozen IT parks across Himachal

The Smart Cities Campaign Has Gone astray, Focus Needs to Be On Prepared Plans

India's urban development must shift from beautification to new greenfield construction. Just as China transformed Shenzhen from a fishing village into a global hub of technology and finance, India must demonstrate the will to build new urban centers that attract both people and investment. In 2015, the Modi government launched the Smart Cities Campaign (SCA), promising to transform India's urban future. The aim was to create 100 cities that would become models of sustainability and efficiency by harnessing technology, innovation, and better planning. Today, nearly a decade later, despite an investment of ?1.5 lakh crore, Indian cities tell a different story. When heavy rains submerged roads in Gurugram, Bengaluru, and Mumbai, commuters stranded on flooded routes found nothing of the promised "smartness." This campaign, which was supposed to be a blueprint for the future, has become a display of selective beautification and misplaced priorities. According to the World Bank, India's urban population will reach approximately 951 million by 2050. While metropolises like Delhi, Mumbai, and Bengaluru continue to expand, cities like Bhubaneswar, Coimbatore, Indore, and Jaipur are emerging as new centers of growth. This pace of change is placing immense pressure on urban infrastructure. Unplanned construction is disrupting drainage systems, housing shortages are pushing people into informal settlements, and transportation networks are collapsing under the pressure of increasing traffic. The Smart Cities initiative could have focused on building new greenfield suburban cities near these cities. Instead, it focused on beautifying small pockets of existing cities, renovating overbridges, digitizing streetlights, and establishing control centers. Deep-seated problems like drainage and housing remained unaddressed, and the consequences were evident during the monsoon season. The Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) is another ambitious initiative of the Government of India. It aims to develop infrastructure in 500 cities. This campaign promised to improve basic amenities like drinking water, sewerage systems, stormwater drainage, and green spaces. The first phase had a budget of ?50,000 crore over five years, and the second phase had a budget of approximately ?2.9 lakh crore. Its goal was to improve water and sewerage systems in urban India, but this monsoon season, the country witnessed the plight of cities. Our cities, both large and small, turn into islands during every rainy season, disrupting public life. It seems that India's urban development programs are still designed in silos. Plans formulated in New Delhi are perhaps disconnected from the diverse realities of Indian cities. For a better future for cities, these silos must be broken, and long-term planning must be placed at the center of urban policy, empowering local governments. However, the government has pursued some greenfield initiatives, such as Dholera, GIFT City, Aurangabad Industrial City, and Greater Noida in Gujarat. A dozen new industrial hubs were also approved under the National Industrial Corridor Development Programme (NICDP) in 2024. It would be wise to consider the broader challenges of inclusive urban development. India's urban development needs to move beyond beautification and toward new greenfield construction. Just as China transformed Shenzhen from a fishing village into a global hub of technology and finance, India must demonstrate the will to build new urban centers that attract both people and investment. The attractiveness of cities should not be measured solely by tall buildings and highways, but by the availability of infrastructure. Greenfield projects can be brought to fruition through financial incentives. Property tax compliance in India is very low, while stamp duty is among the highest in the world, discouraging formal transactions. Instead of burdening new smart cities with these taxes, the government could offer lower property taxes, lower stamp duty, and streamlined approvals for the first decade. With the right incentives and planning, suburban towns near major cities can develop into new centers of opportunity. The floods that have submerged India's glittering metropolises in recent years should not be seen as mere weather phenomena, but as a result of flawed urban development. India's urbanization is progressing faster than expected. The choice before us is clear: either we operate superficially in stressed metropolises or we boldly build new, well-funded, and truly livable cities.

Technology became the language of governance. Under Prime Minister Modi's leadership, India achieved what seemed impossible.

Prime Minister Modi not only understands technology, but he understands people even better. His vision of Antyodaya (the future of all) drives every digital initiative. Modi has made technology the language of governance. He has proven that when leaders embrace technology with humanity, the entire country takes giant leaps towards the future. Prime Minister Modi has made technology India's greatest equalizer. A street vendor in Mumbai uses the same UPI payment system as an executive at a major company. This change reflects the Prime Minister's core vision of Antyodaya (the future of all), meaning reaching the last person in line. The aim of every digital initiative is to make technology equally accessible to all. These experiments started in Gujarat became the foundation of India's digital revolution. As Chief Minister, Modi transformed Gujarat through technology and innovation. The Jyotigram Yojana, launched in 2003, provided rural industries with uninterrupted power supply through feeder separation technology. This allowed women to study at night and small businesses to flourish, reducing migration from villages to cities. The investment of ?1,115 crore (11.15 billion rupees) for this scheme was recouped in just two and a half years. In 2012, he decided to install solar panels on the Narmada Canal. This project generated 16 million units of electricity annually, enough for approximately 16,000 households. This reduced evaporation of canal water and increased water availability. The adoption of this innovation by the United States and Spain further reinforces its effectiveness. The e-Dhara system digitized land records. The Swagat initiative enabled citizens to connect directly with the Chief Minister through video conferencing. Online tendering curbed corruption. In 2014, Modi brought Gujarat's experience and learnings to Delhi, but the scale was much greater. Under his leadership, India Stack was created, the world's most inclusive digital public infrastructure. Its foundation was laid on the JAM trinity (Jan Dhan, Aadhaar, and mobile). Jan Dhan accounts connected more than 530 million people to the banking system. This allowed them to save safely, receive direct government benefits, and easily access loans. Aadhaar gave citizens a digital identity. More than 1.42 billion registrations have been made so far. This has made access to government services easier. Direct Benefit Transfer has eliminated middlemen and reduced fraud. So far, DBT has saved over ?4.3 lakh crore.

This money is being invested in building schools, hospitals, and other infrastructure. Previously, the Know Your Customer (KYC) process was cumbersome and hectic. Aadhaar-based e-KYC has made even the smallest transactions economically feasible. UPI has transformed the way India makes payments. In August alone, over 20 billion transactions were processed, totaling ?24.85 lakh crore. Many countries, from Singapore to France, are on board with UPI. The G-20 has recognized digital public infrastructure as essential for inclusive development. Japan has even granted a patent for it. What was initially India's solution has now become a model of digital democracy for the world. Today, India alone handles half of the world's real-time digital payments. PM Modi's vision finalized the JAM trinity and the UPI framework. Today, UPI handles more transactions globally than Visa. A simple mobile phone has now become a bank, payment gateway, and service center. 'Pragati' has brought accountability to governance. When officials know that the Prime Minister will monitor their work via live video, accountability automatically increases. Technology has completely transformed agriculture and healthcare. Farmers now have access to weather information and soil health data directly on their mobile phones. DigiLocker digitally stores 967 crore documents for over 57 crore users. Aadhaar authentication has also made filing income tax returns extremely easy. Under Prime Minister Modi's leadership, India has achieved what seemed impossible: reaching Mars on the first attempt, and at a cost that surpasses even a Hollywood film. Chandrayaan-3 made India the fourth country to achieve a soft landing on the Moon. The Gaganyaan mission will make India the fourth country to send humans into space using indigenous technology. When COVID-19 struck, the entire world grappled with the chaos of vaccine distribution. The CoWIN platform was created in record time. It was a complete digital solution for the world's largest vaccination campaign. Under the Prime Minister's vision, today our robust electronics manufacturing capabilities are helping us leapfrog into advanced semiconductor manufacturing. More than 20 percent of the world's chip designers are located here. Chemicals, gases, and specialized materials used in semiconductor production are also being supported. The PM Gati Shakti portal makes extensive use of GIS technology. Under the India AI Mission, more than 38,000 GPUs have been made available, at one-third the global cost. This has provided startups, researchers, and students with Silicon Valley-like access at just ?67 per hour. PM Modi's understanding of technology is also reflected in India's unique AI regulation policy. The 182-meter-high Statue of Unity in Kevadia is the world's tallest statue. The Chenab Bridge is 359 meters high. It connects Kashmir with the rest of India. The Aizawl railway line passes through difficult mountainous terrain, using the Himalayan tunneling method, which includes numerous tunnels and bridges. The new Pamban Bridge, built with modern engineering, replaces a century-old structure. These amazing feats of engineering reflect the Prime Minister's vision of connecting India through technology and determination. Prime Minister Modi understands technology, but he understands humans even better. His vision of Antyodaya drives every digital initiative. Modi has made technology the language of governance. He has proven that when leaders embrace technology with humanity, the entire nation takes a giant leap into the future.

युवती को प्रेम जाल में फंसाकर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग का भी आरोप

मुरादाबाद- पटवाई थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती का कहना है कि उसके गांव का ही रहने वाला सुरेंद्र ने उसे 2 साल से प्रेम जाल में फंसा रहा था। सुरेंद्र ने युवती से शादी करने का वादा किया था। जिसके चलते वह उसके बहकावे में आ गई। सुरेंद्र ने वीडियो कॉल के जरिए युवती की आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो बना ली। इस वीडियो का इस्तेमाल कर सुरेंद्र के भाई अमित और भाभी रानी ने युवती को अपने घर बुलाकर सुरेंद्र से कई बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। अब सुरेंद्र शादी करने से इंकार कर रहा है। जब युवती के माता-पिता ने सुरेंद्र के परिवार से शिकायत की, तो उन्हें गाली देकर घर से भगा दिया गया। अब सुरेंद्र युवती के माता-पिता को ब्लैकमेल कर रहा है, कह रहा है कि 1,00,000 दो, तभी वह वीडियो डिलीट करेगा। शादी नहीं करेगा। युवती ने थाना पटवाई में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उसने सुरेंद्र, अमित और रानी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि मामले की तहरीर आई है मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। जिसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी

भाईचारे की मिसाल : कौन हिंदू कौन मुसलमान...50 साल से रामलीला की कमान संभालते हैं भाईजान

मुरादाबाद- नौगांवा सादात में रामलीला की कमान पिछले 50 सालों से मुस्लिमों ने संभाल रखी है। यहां रामलीला कमेटी के मुख्य पदों पर हर बार मुस्लिम समाज से हैं। हिन्दू मुस्लिम चन्दा जुटाने से जिम्मेदारी उठाते मे पहली बार अहसान अख्तर शुरू हुआ। 30 अख्तर ने इसके बाद गुलाम समिति के अध्यक्ष शिबाल हैदर अध्यक्ष पद की कर परम्परा को आगे बढा रहे है। शिबाल हैदर के नेतृत्व मे समिति के पदाधिकारी आपसी सौहार्द्र की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ सालों में कलाकारों के स्थान पर बड़े स्क्रीन पर रामलीला का मंचन हो रहा है और इस वर्ष भी नवरात्रों में दशहरे के अवसर पर स्क्रीन पर रामलीला का मंचन होगा। समिति के अध्यक्ष शिबाल हैदर बताते है कि समिति की अपनी जगह नहीं है। पिछले कई साल से वजाहत हुसैन के बाग में रामलीला होती है। रावण का दहन भी वे खुद करते हैं। नौगांवा सादात कस्बे की आबादी में 90 प्रतिशत मुस्लिम हैं। मुस्लिमों के सयोजन में होने वाली रासलीला इस सौहार्द्र में चार चांद लगाती है।

सीएम सिटी गोरखपुर और ताज सिटी आगरा में इस बार जिले के रामलीला कलाकारों का दिखेगा जलवा

मुरादाबाद- मुरादाबाद में पौराणिक रामलीला की जड़ें काफी पुरानी और गहरी हैं। यहां की प्रसिद्ध प्ले बैक रामलीला की न सिर्फ प्रदेश बल्कि विदेशों में भी चमक बिखर रही है। रामलीला के लिए समर्पित योद्धा रामलीला निर्देशक पंकज दर्पण अग्रवाल ने इस कला को विदेशों तक जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके लिए वह विभिन्न मंचों पर कई बार सम्मानित हो चुके हैं। इस बार सीएम सिटी गोरखपुर और ताज सिटी आगरा में डॉ. पंकज द्वारा निर्देशित रामलीला में रामायण के विभिन्न पात्रों का जीवंत मंचन दिखेगा। बालपन से ही रामलीला में रुचि लेने वाले डॉ. दर्पण जब बेसिक प्राइमरी स्कूल में तीसरे क्लास में पढ़ते थे तो स्कूल से वापसी में कंपनी बाग में रामलीला की तैयारियां देख एक दिन वहां पहुंचे और रामलीला निर्देशक से उन्हें भी रोल देने की गुजारिश की। लाल नेकर घर से लाने की बात बोलकर हनुमान जी की सेना में वानर बनाने की सहमति रामलीला मंचन करा रहे निर्देशक ने क्या दी फिर तो रामलीला पंकज की जिंदगी बन गई। इस दिशा में प्रेरित करने में इनके पिता स्वर्गीय लाला शिवलाल अग्रवाल का योगदान रहा है।1966 में रामलीला में भर्ती होने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। देश के कोने- कोने में लेकर विदेशों में भी उनके निर्देशित रामलीला की ख्याति है। 6 साल के बालक की रामलीला यात्रा आज 60 की उम्र पार करने के बाद भी जोश, जज़्बे और जुनून से लबरेज है। डॉ. पंकज दर्पण बताते हैं कि बचपन मे उन्होंने रामलीला के कलाकारों को सीता जी, राम जी या नारद जी आदि के रोल करने वाले कलाकारों को पर्दे के पीछे बीड़ी या शराब पीते देखा तो मन बहुत दुखी हुआ। तभी किसी ने गुरु स्वर्गीय बलवीर पाठक से मिलवाया। जिन्होंने रामलीला में अनेक प्रयोग करके सुशिक्षित और संस्कारी बच्चों की एक रामलीला टीम बनाई थी। गुरु का आशीर्वाद और राम जी की कृपा से फिर जिंदगी राम नाम की सेवा में ही लग गया। प्रकाश व ध्वनि के प्रयोग से दी इस विधा को मजबूती- वह मानते हैं कि एक दौर आया जब दूरदर्शन के अनेक चैनल्स आने के बाद रामलीला में अच्छे दर्शकों का आना बहुत कम हो गया। और ये माना जाने लगा कि रामलीला सिर्फ निचले और पिछड़े लोगों के देखने की ही चीज है। लेकिन डॉ. पंकज ने इसे चुनौती के रूप में लेकर पुन: रामलीला को स्वस्थ मनोरंजन और संस्कार देने का माध्यम बनाने के साथ ही तथाकथित अभिजात्य वर्ग को भी आकर्षित करने के लिये मुरादाबाद की रामलीला के पारंपरिक स्वरूप में प्रकाश व ध्वनि के कई प्रयोग कर मजबूती दी। बड़ी स्क्रीन पर विभिन्न दृश्यों के मंचन से आई भव्यता- स्टेज के बैक ग्राउंड में पर्दे या लकड़ी के सेट्स के स्थान पर बड़ी स्क्रीन पर विभिन्न दृश्य- जंगल, महल, कुटिया, नदी, बादल, युद्ध भूमि आदि प्रदर्शित किए गए। राजाओं की एंट्री हो या युद्ध मे शस्त्रों की टंकार- दुख के सीन में शोक का संगीत या खुशियों के समय वैसा ही खुशनुमा संगीत ने रामलीला को भव्यता प्रदान की। वह बताते हैं कि दूरदर्शन धारावाहिकों की भव्यता से मुकाबला करने व दर्शकों को लाने के लिए एक साथ 3 लैपटॉप का प्रयोग करके रामलीला के संवाद, संगीत और दृश्य का प्रदर्शन किया जाता है। इसके अलावा खुला बड़ा मंच, जिस पर कोई पर्दा उठाने या गिराने की जरूरत नहीं, महिला पात्र महिला द्वारा ही निभाना। यह मुरादाबाद की रामलीला की अपनी विशेषता है।स्वयं तैयार करते हैं रामलीला की स्क्रिप्ट डॉ. पंकज के निर्देशन की एक विशेषता यह भी है कि रामलीला की स्क्रिप्ट वह स्वयं तैयार करते हैं। तुलसीदास कृत रामचरित मानस को आधार मानते हुए उन्होंने 16 विभिन्न रामायणों का अध्ययन कर विशिष्ट स्क्रिप्ट बनाई है। इसमें सरल भाषा मे संवाद के साथ ही कर्णप्रिय गीत व संवाद को जोड़ा है। कई मंचों पर हो चुके हैं सम्मानित- देश के 24 प्रदेशों व विश्व के अनेक देशों में मंचन के लिए सम्मानित होने वाले डॉ. पंकज को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा 16 प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से सम्मान मिल चुका है। इसके अलावा प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति के हाथों भी उन्हें पुरस्कार प्राप्त होने का गौरव हासिल है। 22 सितंबर से गोरखपुर में होगा मंचन, करेंगे निर्देशन- डॉ. पंकज दर्पण के निर्देशन में इस बार सीएम सिटी गोरखपुर में 22 सितंबर से 5 अक्टूबर तक गोरखनाथ मोहल्ले के मानसरोवर के समीप स्थित रामलीला ग्राउंड में मंचन किया जाएगा। यहां पर स्वयं गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रामलीला मंचन के दौरान पहुंचते हैं। रामलीला के कलाकारों व निर्देशक को उनके हाथों सम्मान मिलता है। इसके अलावा आगरा फोर्ट के पास 11 सितंबर से रामलीला के मंचन के लिए पूजन भी हो चुका है। वह बताते हैं आगरा में रामलीला के दौरान निकलने वाली राम बरात काफी विख्यात है।

प्रेमिका को देर रात बुलाया घर, दोनों में हुआ जमकर विवाद, तभी दुपट्टा का फंदा बनाकर लटक गया प्रेमी

मुरादाबाद- मुरादाबाद के नागफनी में युवक ने देर रात मिलने के लिए प्रेमिका को घर बुलाया। आरोप है कि दोनों के बीच जमकर विवाद हो गया। इससे गुस्साया युवक दुपट्टे का फंदा बनाकर लटक गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।नागफनी क्षेत्र में शुक्रवार की रात एक युवक फंदे पर लटक गया। प्रेमिका ने उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाया जिस पर आस पड़ोस के लोग पहुंच गए। उन्होंने उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि नागफनी के बंगला निवासी युवक का मोहल्ले में रहने वाली किशोरी से प्रेम संबंध चल रहा है। उसने शुक्रवार की रात प्रेमिका को अपने घर बुला लिया। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद युवक गले में दुपट्टा डालकर फंदे पर लटक गया।किशोरी के शोर मचाने पर आस पड़ोस के लोग आ गए और उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल भिजवा दिया। हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। कचहरी में संविदा कर्मी की मौत- दूसरी घटना में मझोला के थाना क्षेत्र के बसंत विहार खुशहालपुर निवासी विवेक कुमार गौतम (28) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में संविदा लिपिक के पद पर कार्यरत था। शनिवार दोपहर विवेक कुमार गौतम का शव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के सामने सीढ़ियों पर मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर विसरा सुरक्षित रखा गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घर से नकदी और जेवर लेकर युवती गायब - तीसरी घटना में टघर थानाक्षेत्र में रहने वाली घर से नकदी और जेवर लेकर गायब हो गई। युवती की मां का कहना है कि पड़ोसी का रिश्तेदार उसे अपने साथ ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवती की मां ने दर्ज कराए केस में बताया कि बेटी 13 सितंबर अजीम नाम के युवक के साथ चली गई थी। वह घर में दो लाख रुपये और करीब बीस 20 सोने के जेवर भी ले गई है। महिला ने अजीम के बहनोई बाबू जान से शिकायत की तो उसने कहा कि लड़की बालिग है। वह जिससे चाहेगी उससे शादी कर सकती है। महिला ने अपने रुपये और जेवर वापस दिलवाने को कहा तो आरोपी बाबू जान ने उसके साथ मारपीट की। कटघर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी बाबू जान के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पढ़ाने के दौरान शिक्षिका ने छात्रा पर कसा तंज, आहत होकर छत से कूदी, बहन के शोर मचाने पर चला पता

मुरादाबाद- कांठ में कक्षा नौ की छात्रा छत से कूद गई। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि उसे शिक्षिका लगातार मानसिक तौर पर परेशान कर रही थी।नाम बिगाड़ कर पुकारने और परेशान करने से क्षुब्ध छात्रा ने छत से कूद कर जान देने की कोशिश का मामला सामने आया है। छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। जनपद बिजनौर के गांव की छात्रा नगर के एक कॉलेज में नौ वीं में पढ़ती है। परिजन के अनुसार शुक्रवार को कॉलेज से वापस आने पर वह घर की छत पर पहुंची और पीछे की ओर कूद गई। तहेरी बहन ने देखा तो शोर मचा दिया। छात्रा के सिर व अन्य चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए स्योहारा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।छात्रा के चाचा ने बताया कि उनकी भतीजी कांठ के कॉलेज में पढ़ती है। कुछ दिन पहले उसने गलत पढ़ाने पर शिक्षिका की शिकायत प्रबंधतंत्र से की थी। आरोप है तभी से वह शिक्षिका भतीजी से द्वेष रखने लगी। वह दूसरे छात्र-छात्रों के सामने उसको नाम बिगाड़ कर संबोधित करते हुए बेइज्जत और बेवजह परेशान करने लगी। हर बार वह उसे ही समझा देते थे। छात्रा के चाचा ने बताया की शुक्रवार को जब भतीजी कॉलेज से वापस आई तो काफी उदास थी। पूछने पर उसने कॉलेज में किए गए दुर्व्यवहार के बारे में बताया था। बतादें कि किसी ने इस पूरे मामले को सोशल मीडिया पर डाल दिया। पुलिस अस्पताल पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। एएसपी कांठ आईपीएस अभिनव द्विवेदी का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है, जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

फ्लैट दिलाने के पर महिला अधिवक्ता से 13 लाख हड़पे

मुरादाबाद- फ्लैट बेचने के नाम पर एक महिला अधिवक्ता और उसके साझीदार से 13 लाख रुपये की ठगी हो गई। डीआईजी ने संज्ञान लेते हुए सिविल लाइंस थाना को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। थाना कटघर क्षेत्र के उड़पुरा निवासी महिला अधिवक्ता राबिया हारुन ने डीआईजी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसने अपने साझीदार नितिन आहूजा के साथ मिलकर मो. फैजान निवासी मौसम पैलेस थाना सिविल लाइंस से फ्लैट का सौदा किया था। 13 लाख रुपये में से 12 लाख 50 हजार रुपये भुगतान भी कर दिए गए थे। फैजान ने उन्हें झांसा देकर पंजीकृत कराया, लेकिन बयाना कराने में लगातार टालमटोल करता रहा। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पहले से ही लोगों को धोखा देकर रकम ऐंठने और फर्जी कंपनियों का रुतबा दिखाने के मामलों में संलिप्त रहा है। फैजान ने सुनील मदान निवासी सागर सराय और नदीम उर्फ राजा निवासी बारादरी के साथ मिलकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। रुपये मांगने पर आरोपी दबंगई दिखाता और ऊंचे अधिकारियों से संबंध होने की धमकी देता था। दिल्ली स्थित कार्यालय पहुंची तो आरोपी ने गार्डों से निकलवा दिया और फोन पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत एसएसपी से भी की थी। मामले की सुनवाई साइबर सेल में हुई, लेकिन आरोपी पुलिस के बुलाने पर भी पेश नहीं हुआ। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई के बजाय एनआई एक्ट में मुकदमा दर्ज कराने की सलाह दी। इसके बाद डीआईजी से शिकायत दी। डीआईजी के आदेश पर थाना सिविल लाइंस में आरोपी फैजान सहित तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि जांच की जा रही है।

दो गुलदार पिंजरे में कैद होने से लोगों ने ली राहत की सांस, पर खतरा अभी टला नहीं

मुरादाबाद- नजीबाबाद क्षेत्र में शनिवार की सुबह दो गुलदार पिंजरे में कैद हो गए हैं। कौड़ियां रेंज के गांव परमा वाला साहनपुर रेंज के गांव प्रेमपुरी में लगाए गए में पिंजरों में गुलदार कैद हो गए। इन गुलदारो के पकड़े जाने से लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी खतरा टला नहीं है। सितंबर माह में गुलदारों के हमले से चार मौत के बाद वन विभाग ने ऑपरेशन गुलदार चला रखा है जिसके अंतर्गत ड्रोन कैमरे उड़ाए जा रहे हैं। गुलदार से प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरे लगाए गए हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व से आए विशेषज्ञ डॉक्टर आदर्श गंगवार एवं कानपुर चिड़ियाघर से आए डॉक्टर नासिर कई दिनों से नजीबाबाद के कौड़ियां वन रेंज के कैंप में कैंप किए हैं।सहानपुर रेंजर राजेश शर्मा की अगुवाई में वन कर्मियों ने चिन्हित गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरे लगाए थे जिनमें दो गुलदार फंस गए। गुलदार को देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। वनकर्मी दोनों गुलदारों को सुरक्षित स्थान पर ले गए।

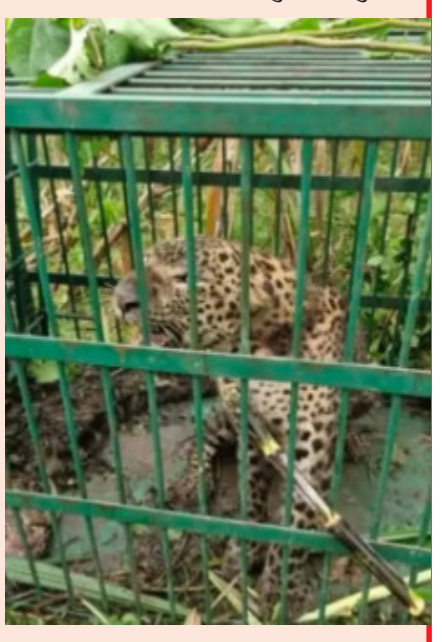

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वनखंडी नाथ मंदिर में 101 कन्याओं का सामूहिक विवाह 23 सितंबर को कराएगी रामलीला कमेटी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सामाजिक समरसता और सेवा की मिसाल पेश करते हुए श्री बाबा बनखंडी नाथ मंदिर रामलीला समिति 23 सितंबर को 101 कन्याओं का विवाह कराएगी। यह जानकारी समिति के संयोजक गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू ने मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने यह भी बताया कि समस्त वैवाहिक कार्यक्रमो का शुभारंभ सुबह 8 बजे मंदिर प्रांगण में होगा। जिसमे 101 कन्याओं का विधिवत विवाह कराया जाएगा। विवाह कार्यक्रम पूर्णतः धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न होगा। समिति के अध्यक्ष संजीव दद्दा ने बताया कि राम बरात के साथ ही सभी दूल्हों की बारात घोड़ी पर सवार होकर शोभायात्रा के रूप में मंदिर से पीलीभीत बायपास तक निकाली जाएगी, जो नजदीकी क्षेत्र में घूमकर मंदिर परिसर विवाह स्थल पहुंचेगी। बारात में 101 ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, और सैकड़ों बाराती शामिल होंगे। यह जानकारी मेला अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया एक से घोड़े के साथ बारात निकाली जाएगीद्य गिरधारी लाल साहू ने बताया कि इस शुभ आयोजन में केवल बरेली ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग विवाह में शामिल होने आएंगे। आयोजन में स्थानीय समाजसेवियों, धार्मिक संगठनों, और जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रहेगी। विवाह के दौरान सभी वर बधू उपहार स्वरूप सम्मान गृहस्ती का सामान दिया जाएगा। यह सभी सामग्री सम्मानपूर्वक विदाई के समय दी जाएगी। प्रेस वार्ता में उपस्थित महंत केदारनाथ गिरी जी महाराज संयोजक गिरधारी लाल साहू जी अध्यक्ष संजीव शर्मा संरक्षक धर्मेंद्र राठौर, रिंकू, सचिन राठौर, संतोष साहू, श्लक्ष्मी नारायण राठौर, मुन्नालाल राठौर, पंडित सुनील दत्त शर्मा, मनोज राठौर देवेंद्र साहू चंद्रपाल राठौर, पूनम राठौर पार्षद, वैभव भारद्वाज, विशाल श्रीवास्तव, प्रेम शंकर राठौड़, अर्जुन सिंह, सत्येंद्र राठौर, विनोद गिरी आदि उपस्थित रहे।

विभिन्न संगठनों सहित अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच ने किया रक्तदान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, राजस्थानी माहेश्वरी सेवा समिति और आदि शक्ति मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा , बरेली द्वारा रविवार को IMA ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन मारवाड़ी गंज में किया गया। जिसमे 103 लोगों ने रक्तदान किया। बताते चले कि वर्ष में दो बार आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम में 125 लोगो ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। जिसमे से 103 लोगो द्वारा रक्तदान किया गया। IMA ब्लड बैंक से डॉक्टर पारुल अग्रवाल के नेतृत्व में ढ्ढरूकी टीम ने रक्तदान के कार्य को संपन्न करवाया। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच नाथ नगरी शाखा और आदि शक्ति महिला शाखा द्वारा आगामी 5 अक्टूबर 2025 को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित किये जाने वाले WALKOTHON के बारे में भी सभी को जानकारी दी। कार्यक्रम में तीनो संस्थाओं की और से अध्यक्ष रामदयाल मोहता, आकाश अग्रवाल, स्वाति जैन का विशेष योगदान रहा। सचिव उत्सव मित्तल, राजकुमार चांडक, अंजू भारद्वाज, कोषाध्यक्ष राहुल जालान, गगन काबरा, प्रियंका टिबरेवाल, रक्तदान कैंप संयोजक नितिन काबरा, प्रांतीय सचिव गौरव जैन, सह सचिव अभिषेक भरद्वाज, मनोज मोदी, कैलाश मित्तल, नीरज खंडेलवाल, हर्षित एरन, आयुष मित्तल, सुमित जालान, , मीनू काबरा, विनीता खंडेलवाल, सारिका अग्रवाल , प्राची अग्रवाल, अनु शर्मा , श्वेता जैन , रेनू मित्तल आदि उपस्थित रहे।

बीडीए की ज्यादती बर्दाश्त नहीं किसान नेता बोले राकेश टिकैत के सामने उठाएंगे मुद्दा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों ने किसानों की परेशानी देख बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। पदाधिकारियों ने कहा कि उनके राष्ट्रीय नेता राकेश टिकैत मंगलवार को बरेली आ रहे हैं। बीडीए से पीड़ित किसानों के बारे में उन्हें बताएंगे। कहा कि बीडीए ने सैकड़ों किसानों से उनकी जमीन बेभाव छीन ली और उचित मुआवजा भी नहीं दिया है। भूमिहीन हुए अधिकांश किसान कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने को विवश हैं। किसान यूनियन के नेता रविवार को पुराने रोडवेज बस अड्डे पास स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। यूनियन के जिलाध्यक्ष चौधरी सोमवीर सिंह ने बताया कि संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मंगलवार सुबह 11 बजे नेहरू युवा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में आ रहे हैं। इस दौरान कृषि क्षेत्र की 17 बिंदुओं पर चर्चा होगी। जिलाध्यक्ष ने ग्रेटर बरेली का भी मुद्दा उठाया। कहा कि इसमें कॉलोनी बसाने को बीडीए ने नौ गांव के किसानों की बिना सहमति के 267.1925 हेक्टेयर जमीन ले ली है। जमीन देने से मना करने वाले 700 से अधिक किसानों पर जिला प्रशासन दबाव बना रहा है। इन्हें नोटिस जारी कर दिया है। जिला प्रवक्ता हाजी एम. इकबाल ने कहा कि बीडीए टाउनशिप के नाम पर केवल किसानों को प्रताड़ित कर रहा है।

आप सांसद संजय सिंह के बिगड़े बोल, कहा- ट्रम्प से जूते पड़ने पर भाजपाई चिल्ला रहे स्वदेशी-स्वदेशी

आप सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी का का कपड़ा-पेन, मोबाइल और सारा जीवन विदेशी सामानों पर निर्भर है। अब जब रोज ट्रम्प के जूते पड़ रहे हैं तो स्वदेशी-स्वदेशी चिल्ला रहे हैं। आप के राज्यसभा सांसद ने भाजपा के स्वदेशी अपनाओ नारे पर रविवार को जमकर हमला बोला है। सुल्तानपुर में राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन की ओर से छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मीडिया से बात की। संजय सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री का रहन-सहन, उनका कपड़ा, पेन, मोबाइल उनका तौर तरीका, उनका जीवन सारा तो विदेशी सामानों पर निर्भर है। आप अमेरिका के ऊपर निर्भर हैं, आप चीन को ऊपर निर्भर हैं, आप जापान के ऊपर निर्भर हैं। चूंकि आपको रोज ट्रम्प से जूते पड़ रहे हैं तो अब स्वदेशी-स्वदेशी चिल्ला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा हम लोगों को बेवकूफ समझते हो आप। क्या है स्वदेशी? स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए आपने क्या किया है। संजय सिंह ने कहा गलवान घाटी की घटना के बाद जब चीन ने हमारे बीस जवानों को चीन ने शहीद किया

निक्की की मां और विपिन के पिता पर भाभी के मामा ने की अभद्र टिप्पणी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरसा गांव में दादरी कोतवाली क्षेत्र के रुपवास गांव निवासी निक्की भाटी की जलाकर हत्या कर दी गई थी। निक्की के परिजन ने आरोप लगाए थे कि दहेज की खातिर निक्की की जलाकर हत्या की गई है। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में विवाहिता की हत्या के ने रविवार को निक्की की भाभी के मामा को गिरफ्तार किया रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग के क्षेत्र के रुपवास गांव निवासी निक्की भाटी की जलाकर हत्या की खातिर निक्की की जलाकर हत्या की गई है। यह हत्या रोहित के द्वारा की गई है। कासना कोतवाली पुलिस ने करने के बाद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा पर कई आरोप लगाए थे। इस दौरान दोनों ही परिवारों के हुए थे। कई दिनों तक हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर मीडिया पर आरोप प्रत्यारोप भी चले थे। इसी दौरान पल्ला द्वारा निक्की की मां पर अभद्र टिप्पणी सोशल मीडिया पर

मामले में निक्की की मां पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में पुलिस है। आरोपी की पहचान दादरी के सैनी गांव निवासी महेश के धाराओं में कार्रवाई की है। सिरसा गांव में दादरी कोतवाली कर दी गई थी। निक्की के परिजन ने आरोप लगाए थे कि दहेज आरोपी पति विपिन, उसकी मां दया, पिता सत्वीर, भाई मामले में निक्की की बहन कंचन की शिकायत पर केस दर्ज था। घटना के बाद से दोनों ही परिवार की ओर से एक दूसरे आरोप प्रत्यारोप के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल चर्चाओं का बाजार गर्म रहा था। इस मामले को लेकर सोशल गांव के रहने वाली नक्की की भाभी मीनाक्षी के मामा महेश की गई थी। सोशल मीडिया पर महेश ने निक्की की मां और विपिन के पिता को लेकर अभद्रता टिप्पणी की थी। वहीं, कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि उक्त प्रकरण के संबंध में पुलिस ने महेश को सोशल मीडिया पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के लिए गिरफ्तार निरोधात्मक कार्रवाई की है।

ग्राम सभा का प्रस्ताव भी दबा फाइलों में, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

121 बच्चों पर सिर्फ एक शिक्षिका कुबेरपुर प्राथमिक शाला की दुर्दशा जर्जर भवन टूटा पंप, प्रशासन मौन

- 121 बच्चों पर सिर्फ 1 शिक्षिका।
- भवन जर्जर, अंतरित कक्षाओं में पढ़ाई।
- सोलर ड्यूल पंप 2 साल से खराब।
- ग्राम सभा का प्रस्ताव भी बेअसर।
- विभाग की चुप्पी पर ग्रामीणों का आक्रोश।

क्यूँ न लिखूँ सच / पप्पू जायसवाल चांदनी बिहारपुर चांदनी बिहारपुर। जिले की शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का सबसे बड़ा उदाहरण ओडगी विकासखण्ड के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुबेरपुर प्राथमिक शाला से सामने आया है। यहाँ 121 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, मगर पूरे विद्यालय को सँभालने के लिए केवल एक शिक्षिका ममता लकड़ा पदस्थ हैं। ग्राम पंचायत की ग्राम सभा ने इस समस्या पर प्रस्ताव पारित कर शिक्षकों की नियुक्ति और भवन सुधार की मांग की थी, मगर विभागीय अफसरों ने अब तक कोई पहल नहीं की। भवन जर्जर, बच्चों की जान खतरे में विद्यालय का भवन जर्जर अवस्था में है। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता है और दीवारें टूटने की स्थिति में हैं। मजबूरी में बच्चों को अंतरित (अन्य) कक्षाओं में ठूँस-ठूँसकर पढ़ाई कराई जाती है। ग्रामीण कहते हैं - यह स्कूल शिक्षा का मंदिर नहीं बल्कि मौत का कुंआ बन चुका है। टूटा सोलर ड्यूल पंप दो साल से पानी की किल्लत विद्यालय में लगाया गया सोलर ड्यूल पंप पिछले दो वर्षों से खराब पड़ा है। बच्चे और शिक्षिका लगातार शिकायत कर रहे हैं क्रेडा विभाग, मगर विभाग से कोई जवाब नहीं। पीने के पानी और साफ-सफाई की किल्लत ने बच्चों को और मुश्किलों में डाल दिया है। इसके बारे में जब फोन से जिला प्रभारी क्रेडा विभाग के रंजीत यादव बात किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि एक सप्ताह के अंदर सोलर पंप को ठीक कर दिया जाएगा मैं अकेली हूँ, बच्चों को कैसे सँभालूँ? - शिक्षिका ममता लकड़ा विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका ममता लकड़ा ने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए कहा - मैं इकलौती शिक्षिका हूँ। 121 बच्चों को अकेले पढ़ाना और सँभालना बहुत मुश्किल है। कभी मीटिंग या छुट्टी पर जाना पड़ जाए तो स्कूल पूरी तरह बंद हो जाता है। दो और शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, मगर वे यहाँ आए ही नहीं। अभिभावकों और ग्रामीणों का आक्रोश ग्राम पंचायत कुबेरपुर के ग्रामीण और अभिभावक कहते हैं कि शासन-प्रशासन की लापरवाही ने बच्चों का भविष्य दांव पर लगा दिया है। ग्रामवासी रामसाय ने कहा - हमने ग्राम सभा में प्रस्ताव बनाकर भेजा, मगर विभाग के कानों पर जूँ तक नहीं रेंगी। बच्चे बिना पढ़ाई के रह जाएँ तो जिम्मेदार कौन होगा? अभिभावक गीता देवी ने कहा - सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन हकीकत यही है कि हमारे बच्चों को शिक्षक तक नसीब नहीं हैं। विभाग की खामोशी - सवालों के घेरे में अधिकारी शिक्षा का अधिकार (ऋञ्जश्व) और शासन के नियम साफ कहते हैं कि 120 से अधिक छात्रों पर कम से कम चार से पाँच शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य है। बावजूद इसके कुबेरपुर प्राथमिक शाला की हालत जस की तस है। विभागीय अफसरों की खामोशी ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंदोलन की चेतावनी ग्रामीणों ने साफ कहा है कि अगर जल्द ही अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति, भवन की मरम्मत और पानी की सुविधा नहीं दी गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन ने बरेली सहित, विभिन्न शहरों में स्वच्छता पखवाडे का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुरादाबाद मंडल भारतीय रेल में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर2025 तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस स्वच्छता पखवाड़े को सफल बनाने के लिए मुरादाबाद मंडल में प्रतिदिन अनेक स्वच्छता कार्यक्रम को व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है। आज मंडल मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, शाहजहांपुर, हरिद्वार, लक्सर, बरेली, रुड़की, देहरादून, योगनगरी ऋषिकेश, चंदौसी, हरदोई, हापुड़ स्टेशन पर स्वच्छता अभियान संचालित किए गए। जिसमे बरेली, चंदौसी, रामपुर, अमरोहा मुरादाबाद स्टेशन सहित अन्य स्टेशनों पर व्यापक रूप से स्टेशन परिसर में स्थित सभी टॉयलेट्स एवं वेटिंग रूम की साफ सफाई कर अभियान को सफल बनाने का कार्य किया गया। रेलवे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंडल अधिकारियों और कर्मचारियों एवं उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल ने इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुरादाबाद की अध्यक्षा श्रीमती सुमन मौर्य के निर्देशन में रेल परिवार के बच्चों के लिए मुरादाबाद, हरिद्वार, बरेली, चंदौसी, शाहजहांपुर एवं ओकग्रोव स्कूल, झारीपानी में ड्राइंग/ पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया।

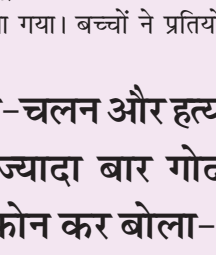

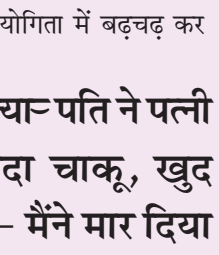

चंचल..चाल-चलन और हत्याः पति ने पत्नी को छह से ज्यादा बार गोदा चाकू, खुद पुलिस को फोन कर बोला- मैंने मार दिया

रविवार सुबह 4 बजे के करीब सोनू शर्मा ने पत्नी चंचल को आधा दर्जन से अधिक चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद घटना की सूचना आरोपी ने खुद पुलिस को दी और हत्या की बात कही। तमबुद्धनगर स्थित दादरी कोतवाली क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में गलत चाल-चलन के चलते एक महिला की पति ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। आरोपी पति को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। कई महीने से चल रहा था विवाद- प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि सोनू शर्मा बुलंदशहर के वीर खेड़ा गांव का रहने वाला है। सोनू शर्मा परिवार के साथ कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में किराए के मकान में रहता है। आस-पास लगने वाले बाजारों में फेरी लगाने का काम करता है। सोनू शर्मा का पत्नी चंचल से कई माह से गलत चाल चलन के चलते विवाद चल रहा था। जिसको लेकर कई बार समझना बुझाना भी किया गया, लेकिन मामला शांत नहीं हो सका। खुद फोन कर पुलिस को बुलाया- रविवार सुबह 4 बजे के करीब सोनू शर्मा ने पत्नी चंचल को आधा दर्जन से अधिक चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद घटना की सूचना आरोपी ने खुद पुलिस को दी और हत्या की बात कही। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आठ साल पहले हुई थी चंचल की शादी- हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया गया। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चंचल की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। मृतका का एक लड़का व लड़की है। घटना स्थल का फोरेंसिक निरीक्षण किया गया। पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, जिसमें एक की मौत दुसरे की हालत गंभीर मेडिकल कॉलेज रिफर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई।

इस हादसे में बाइक सवार लहुलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना में एक वृद्ध की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया गया जहां से उसे मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर क्षेत्र के जमुनहा बाजार निवासी जमुना प्रसाद (60) पुत्र बेचन बाइक से किसी काम से बहराइच की ओर जा रहे थे। वहीं बहराइच जिले के रिसिया थाना क्षेत्र स्थित जुमई पुरवा गांव निवासी अब्दुल कादिर (22) पुत्र मेराज बाइक से बहराइच की ओर से मल्हीपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान सोनवा थाना क्षेत्र के बहराइच मल्हीपुर मार्ग पर रमवापुर मोड़ के पास दोनों बाइकों की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। घटना में दोनों वृद्ध समेत दोनों लोग लहुलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर राहगीरों की व ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन वृद्ध जमुना प्रसाद को इलाज करने के लिए सीएचसी मल्हीपुर ले जा रहे थे। मगर रास्ते में रास्ते में उनकी मौत हो गई। वहीं अब्दुल कादिर के परिजनों ने उसे जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। इधर जमुना प्रसाद की मौत के बाद परिजन शव को लेकर घर चले गए। घर पर शव पहुंचने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था

अंतर क्षेत्रक फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच : लखीमपुर खीरी ने गोरखपुर को 15-0 से हराकर जीता खिताब

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम श्रावस्ती, भिनगा में आयोजित अंतर क्षेत्रक फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य फाइनल मुकाबला आज संपन्न हुआ। इस आयोजन का नेतृत्व श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा किया गया। फाइनल मैच में क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी और क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर की टीमें आमने-सामने हुईं।

जबरदस्त खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए लखीमपुर खीरी ने गोरखपुर को 15-0 से मात देकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस ऐतिहासिक जीत में आरक्षी विश्वजीत सिंह का योगदान विशेष रहा, जिन्होंने अकेले 10 गोल कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। मैच के उपरांत विजेता टीम को ट्रॉफी एवं सम्मान प्रदान किया गया, वहीं उपविजेता टीम को भी प्रोत्साहन स्वरूप सम्मान एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि - खेल हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को विकसित करते हैं। इसी ऊर्जा और जज्बे को हम अपनी ड्यूटी एवं दैनिक जीवन में भी अपनाएँ, तो हर चुनौती आसान हो जाती है। मैं सभी खिलाड़ियों और विजेता टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि आप भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ हासिल करें। यह फुटबाल मैच बेस्ट ऑफ थ्री का रखा गया था, जिसमें क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों मैच जीत लिए। इस उपलब्धि पर उप महानिरीक्षक, लखीमपुर खीरी ने जवानों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान श्री पीयूष सिन्हा, उप कमान्डेंट, सोनू कुमार, उप कमान्डेंट, गोबर्धन पुजारी, उप कमान्डेंट सहित 62वीं वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

पोहरी वन परिक्षेत्र में अवैध वृक्ष कटाई व आखेट की तैयारी, दो आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। पोहरी वन परिक्षेत्र के इन्दुर्खी बीट में अवैध वृक्ष कटाई एवं आखेट की तैयारी करते हुए वन विभाग ने दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मुख्य वन संरक्षक शिवपुरी वन वृत्त आदर्श श्रीवास्तव एवं वनमंडलाधिकारी सुधांशु यादव के निर्देशन में, उपवनमंडलाधिकारी आदित्य शांडिल्य तथा परिक्षेत्र अधिकारी श्रुति राठौर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। गश्ती के दौरान वन अमले को कुल्हाड़ी की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुँचकर टीम ने हरिसिंह पुत्र बाबू आदिवासी एवं रामचरण पुत्र श्याम आदिवासी, निवासी ग्राम तेलनी, थाना शाहबाद, जिला बारां (राजस्थान) को सागौन वृक्ष काटते हुए पकड़ लिया। जाँच में पाया गया कि आरोपियों ने कुल 14 सागौन वृक्ष काटे हैं। साथ ही राजस्थान सीमा से लगे वनक्षेत्र में नाले किनारे आखेट के लिए मचान भी तैयार किया गया था। मौके से दो धारदार कुल्हाड़ियाँ और एक गुलेल बरामद की गई। दोनों आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया तथा 21 सितम्बर को न्यायालय जेएफएमसी पोहरी में पेश कर न्यायिक रिमांड पर सब-जेल पोहरी भेज दिया गया। इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक नवल किशोर शर्मा एवं बीटगार्ड दिनेश शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

हवालात से लंगड़ाते हुए निकला आरोपी, बोला- गलती हो गई साहब; नरसंहार करने की दी थी धमकी

बरेली के फरीदपुर में भड़काऊ पोस्ट कर धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार को उसे कोर्ट में पेश किया। इससे पहले उसने थाने में गिड़गिड़ाते हुए माफी मांगी। इसका वीडियो भी सामने आया है। बरेली के फरीदपुर में सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे गलती हो गई है। उसे माफ कर दिया जाए। वह भविष्य में इस तरह की भड़काऊ पोस्ट नहीं करेगा और न ही किसी को राय देगा। आरोपी का नाम समीर है। वह फरीदपुर थाना क्षेत्र के मिर्धान का रहने वाला है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद वीडियो सामने आया है, जिसमें वह थाने में लंगड़ाते हुए चलता दिख रहा है। हाथ जोड़कर कह रहा है कि साहब गलती हो गई है। माफ कर दो। अब भविष्य में कभी ऐसी गलती कभी नहीं करूंगा। सोशल मीडिया पर दी थी धमकी इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि समीर नाम के युवक ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था, जिसमें वह कह रहा है कि सिर्फ 15 मिनट पुलिस को हटा दो फिर हम दिखा देंगे कि किसमें कितनी हिम्मत है और कितना दम है। यह वीडियो पोस्ट करते हुए प्रभात सिंह भदौरिया ने एक्स पर पुलिस से शिकायत की थी। उस पर नरसंहार करने की धमकी देने और पाकिस्तान प्रेम दिखाने का आरोप लगाया गया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच पड़ताल के बाद दरोगा जसवीर सिंह ने आरोपी समीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस टीम ने शनिवार रात उसके घर पर दबिश दी, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उससे गलती हो गई है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

खैरा का दर्दनाक हादसा: तीन दिन बाद मिला युवक का शव

चोपता रेड नदी पुल के नीचे बरामद हुआ शव, घटना स्थल से 14 किलोमीटर दूर मिला सुराग

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर / ओडगी विकासखण्ड के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम खैरा में शुक्रवार शाम हुई दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया था। नदी पार करते समय बह गए ग्राम निवासी गोपाल सिंह पिता राम सिंह का शव आखिरकार तीन दिन बाद रविवार को बरामद हो सका। उनका शव घटना स्थल से करीब 14 किलोमीटर दूर चोपता स्थित रेड नदी पुल के निचले हिस्से में मिला। हादसे के दिन का मंजर शुक्रवार शाम करीब 5 बजे जब गोपाल सिंह कछीया से अपने घर लौट रहे थे, तभी अचानक मौसम बिगड़ गया। तेज़ बारिश और आंधी-तूफान के बीच रेड नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और गोपाल सिंह ने नदी पार करने की कोशिश की। इसी दौरान वे तेज बहाव में बह गए और देखते ही देखते लापता हो गए। ग्रामीणों ने दिखाई हिम्मत, पर नाकाम रहे हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर गोपाल सिंह की तलाश शुरू की। पूरी रात और अगले दिन सुबह तक ग्रामीण नदी किनारे खोजबीन करते रहे, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। शनिवार दोपहर को जब मामला पुलिस तक पहुंचा, तब चौकी मोहरसोप से पुलिस दल मौके पर पहुंचा और गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। तीन दिन चला रेस्क्यू अभियान लगातार बारिश और नदी में तेज़ बहाव के चलते सर्च ऑपरेशन बेहद मुश्किल रहा। पुलिस और गोताखोरों ने ग्रामीणों की मदद से तीन दिन तक रुक-रुककर तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार रविवार को चोपता रेड नदी पुल के नीचे शव दिखाई दिया। पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में पसरा मातम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल गोपाल सिंह की मौत की खबर मिलते ही पूरे खैरा गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि गोपाल सिंह मेहनती और सीधे- साधे इंसान थे। उनकी असमय मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। गांव में हर कोई गमगीन है। प्रशासन ने दी चेतावनी, मुआवज़े की मांग स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में नदी-नालों के उफान के समय इन्हें पार करने की कोशिश न करें। सावधानी ही सुरक्षा है, क्योंकि बरसात में इस तरह के हादसों की संभावना अधिक रहती है। वहीं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मृतक के परिवार को उचित मुआवज़ा और तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की है, ताकि परिवार इस कठिन परिस्थिति से उबर सके।

उमझर में आकाशीय बिजली से किसान का बड़ा नुकसान - दो बैलों की मौत, मुआवज़े की मांग तेज़

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर सूरजपुर। जिले के ओडगी विकासखण्ड के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमझर में बीते दिन आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में किसान गोकुल सिंह के दो बैलों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और ग्रामीण प्रशासन से पीड़ित को मुआवज़ा देने की मांग कर रहे हैं। खेत में चर रहे थे बैल, तभी गिरी बिजली ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, गोकुल सिंह के बैल रोज़ की तरह खेत में चर रहे थे। शाम के समय मौसम अचानक बिगड़ गया और तेज़ बारिश के साथ गड़गड़ाहट हुई। देखते ही देखते आसमान से गिरी बिजली सीधे बैलों पर आकर गिरी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। किसान को भारी आर्थिक नुकसान गोकुल सिंह जैसे सीमांत किसानों के लिए बैल खेती-किसानी का सबसे बड़ा सहारा होते हैं। इस हादसे से उनकी कृषि कार्य पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि बैलों की कीमत20 हजार रुपए आंकी जा रही है, ऐसे में किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से की मदद की मांग गांव के लोगों ने जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग से मांग की है कि पीड़ित किसान को तत्काल आर्थिक सहायता और मुआवज़ा दिया जाए। उनका कहना है कि प्राकृतिक आपदा से हुए इस नुकसान की भरपाई सरकार को करनी चाहिए। शोक में डूबा गांव घटना के बाद उमझर गांव में गमगीन माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि गोकुल सिंह मेहनती किसान हैं और उनके लिए बैल परिवार की तरह थे। अचानक हुई इस घटना से वे गहरे सदमे में हैं।

चांदनी क्षेत्र में वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट का बड़ा कदम - 16 ग्रामों में 20 पोषण दिवस कार्यक्रम, हज़ारों महिलाओं और बालिकाओं ने लिया लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। ग्रामीण अंचलों में पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट (WOTR) ने चांदनी क्षेत्र में विशाल अभियान चलाया। इस अंतर्गत 16 ग्रामों में कुल 20 पोषण दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें हज़ारों की संख्या में गर्भवती माताएँ, शिशुवती महिलाएँ और किशोरी बालिकाएँ शामिल हुईं। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि कुपोषण उन्मूलन के लिए संतुलित आहार अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण महिलाओं को हरी सब्ज़ियों, दालों, अनाज और दूध जैसे पौष्टिक आहार को भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही टीकाकरण, स्तनपान के महत्व, स्वच्छता की आदतें और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को प्रायोगिक गतिविधियों, समूह चर्चा और जागरूकता प्रदर्शनी के माध्यम से यह समझाया गया कि यदि वे खुद स्वस्थ रहेंगी तो पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा। किशोरी बालिकाओं को विशेष रूप से एनीमिया से बचाव, आयरनयुक्त भोजन और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण समुदाय में इस तरह के प्रयासों से महिलाओं और किशोरियों को सही जानकारी और आत्मविश्वास मिलता है। यह पहल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुधार बल्कि पूरे समाज को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ग्रामीणों ने भी ट्रस्ट की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें नई जानकारी और व्यवहारिक सीख मिल रही है, जो उनके दैनिक जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी। यह आयोजन अब चांदनी क्षेत्र में स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास माना जा रहा है, जिसने ग्रामीण समुदाय में नई चेतना और ऊर्जा का संचार किया है।

चंचल..चाल-चलन और हत्या: पति ने पत्नी को छह से ज्यादा बार गोदा चाकू, खुद पुलिस को फोन कर बोला- मैंने मार दिया

रविवार सुबह 4 बजे के करीब सोनू शर्मा ने पत्नी चंचल को आधा दर्जन से अधिक चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद घटना की सूचना आरोपी ने खुद पुलिस को दी और हत्या की बात कही। गौतमबुद्धनगर स्थित दादरी कोतवाली क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में गलत चाल-चलन के चलते एक महिला की पति ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। आरोपी पति को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। कई महीने से चल रहा था विवाद- प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि सोनू शर्मा बुलंदशहर के वीर खेड़ा गांव का रहने वाला है। सोनू शर्मा परिवार के साथ कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में किराए के मकान में रहता है। आस-पास लगने वाले बाजारों में फेरी लगाने का काम करता है। सोनू शर्मा का पत्नी चंचल से कई माह से गलत चाल चलन के चलते विवाद चल रहा था। जिसको लेकर कई बार समझना बुझाना भी किया गया, लेकिन मामला शांत नहीं हो सका। खुद फोन कर पुलिस को बुलाया रविवार सुबह 4 बजे के करीब सोनू शर्मा ने पत्नी चंचल को आधा दर्जन से अधिक चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद घटना की सूचना आरोपी ने खुद पुलिस को दी और हत्या की बात कही। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आठ साल पहले हुई थी चंचल की शादी हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया गया। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चंचल की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। मृतका का एक लड़का व लड़की है। घटना स्थल का फोरेंसिक निरीक्षण किया गया। पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी है।

शामली नगर के नगर अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विनोद सेन को मनोनीत कर कांग्रेस कमेटी को और मजबूती का परिचय दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली - वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता कीएक बैठक शेखर पाल प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के आवास पर की गई जिसमें नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी सांसद प्रियंका गांधी जी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे वह उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष श्री अजय राय जी पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अनिल जय हिंद वी उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मनोज यादव जी की संस्तुति पर शामली पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष डॉक्टर श्रीपाल व शामली नगर के नगर अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विनोद सेन को मनोनीत कर कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान की है तथा उनसे आशा की जाती है कि पार्टी द्वारा निर्देशित कार्यक्रम अभियान को गति देकर कांग्रेस को जनपद शामली में मजबूती प्रदान करें और सभा की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंडित ओमप्रकाश शर्मा पीसीसी कोऑर्डिनेटर सहारनपुर ने की और उन्होंने वोट चोर गद्दी अभियान की शुरुआत उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र की हत्या की है चुनाव आयोग की मिली भगत से वोट चोरी हुई है श्री राहुल गांधी जी सांसद नेता प्रतिपक्ष ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान की शुरुआत की है यह अभियान 15 अक्टूबर तक चलेगा हम सब कांग्रेस जनों को मिलकर इसमें ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करनी है तथा भाजपा सरकार द्वारा जो बोटर के साथ दगाबाजी की है उसे उजागर करना है उसे जन-जन तक जानकारी पहुंचना है इसकी शुरुआत आज शामली में की जा रही है हमें इस जन जन तक पहुंचना है शेखर पाल प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग ने कहा कि श्री राहुल गांधी जी ने पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में स्पष्ट कर दिया था कि हमें कांग्रेस पार्टी से अति पिछड़े वर्ग के समाज को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी देनी है तथा पिछड़े वर्ग के नेताओं को हमें आगे लाना है पिछड़ा वर्ग भी कांग्रेस पार्टी की जीत का आधार बनेगा जिसमें हमें पिछड़े वर्ग में एससी एसटी के नेताओं को आगे लाना होगा सभा में वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता व नेता उपस्थित रहे हैं जिसमें श्री बाबूखान,प्रवीण तरार,आदेश कश्यप,शेखरपाल,लोकेश कटारिया,प्रवीण कुमार,मास्टर नरेंद्र सिंह,ईश्वर सिंह,कमल सेन,रोकी सिन्हा,मोहम्मद शाहरुख खान,रामपाल पांचाल,रविन्द्र आर्य,बिजेन्द्रपाल वर्मा,सोहिल धीमान एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे ।

कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने विकास की दिशा में उठाए ठोस कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क-पुल सुधार को लेकर विधायक सक्रिय, मुख्यमंत्री से मुलाकात में रखी क्षेत्र की मांगें कालपी के लोकप्रिय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे जनता के भरोसे पर खरे उतर रहे हैं। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता मानते हुए वे लगातार प्रयासरत हैं। हाल ही में उन्होंने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात की और इस दौरान कालपी समेत पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की मांग रखी। विधायक चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री से कहा कि कालपी क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने, अस्पतालों में आधुनिक उपकरण और पर्याप्त डॉक्टरों की नियुक्ति कराने की बात रखी। साथ ही उन्होंने बिजली आपूर्ति की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली पहुंचाने की मांग की। सड़क और पुलों के निर्माण पर बल देते हुए विधायक ने कहा कि बुंदेलखंड के कई हिस्से अब भी मजबूत परिवहन नेटवर्क से वंचित हैं, जिससे आम लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र के सड़क-पुल सुधार कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की। विधायक ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी विकास कार्यों की निगरानी नियमित रूप से हो और अधिकारियों को त्वरित गति से योजनाओं को लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है। उनकी पहल पर कई विभागों ने अपने-अपने स्तर पर कार्ययोजना तैयार करना शुरू कर दिया है। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि विनोद चतुर्वेदी जनता से सीधे जुड़े रहते हैं। वे न केवल समस्याओं को सुनते हैं बल्कि उनके समाधान के लिए तुरंत कदम भी उठाते हैं। यही कारण है कि कालपी और बुंदेलखंडके लोग उन्हें अपना सच्चा प्रतिनिधि मानते हैं। विकास की इस कड़ी में विधायक चतुर्वेदी के प्रयासों से अब क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार की तस्वीर साफ दिखने लगी है। लोगों का मानना है कि अगर इसी तरह कार्यों की रफ्तार जारी रही तो आने वाले समय में कालपी और बुंदेलखंड प्रदेश के आदर्श क्षेत्रों में शामिल हो सकते हैं।

1647 थानों में नव स्थापित मिशन शक्ति केदो का उद्घाटन मिशन शक्ति केंटो से संबंधित SOP की पुस्तक का विमोचन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ, सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन, मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित SOP की पुस्तिकाओं का विमोचन किया गया।जिसका एन0आई0सी0 कलेक्ट्रेट शामली से लाइव प्रसारण के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणादाई संबोधन को मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे श्री नरेन्द्र कश्यप जी, मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उ0प्र0, एमएलसी वीरेन्द्र सिंह,एमएलसी मोहित बेनीवाल, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, श्री सत्येन्द्र सिंह,अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार, सीएमएस डॉ किशोर आहुजा, डीपीआरओ संदीप अग्रवाल, बेसिक शिक्षा अधिकारी लता राठौर, जिला प्रोबेशन अधिकारी,जिला प्रोबेशन अधिकारी मौ0 मुश्फैकीन आदि द्वारा देखा और सुना गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति-5.0% का शुभारंभ किया गया है। मा0 मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य उत्तर प्रदेश की नारी की सुरक्षा, सम्मान को बढ़ाते हुए उनके अंदर स्वावलंबन को पैदा करना है। इसलिए मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम हो। माननीय मंत्री जी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य नारी को सशक्त और समृद्ध बनाना है जिसके लिए अनेकों योजनाएं संचालित की गई है।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पूर्ण रूप मनाए जाने के दृष्टिगत हनुमान टीला परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई भव्य चित्र प्रदर्शनी

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली मा0 प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस को 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पर्व के रूप में मनाये जाने के दृष्टिगत उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित हनुमान टीला परिसर में सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई भव्य चित्र प्रदर्शनी का आज एमएलसी मोहित बेनीवाल द्वारा भ्रमण कर अवलोकन किया गया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन कर एमएलसी ने कहा कि विगत 11 वर्षों के अन्दर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों का परिणाम है कि विश्व भर में भारत का सम्मान बढ़ा है। उन्होने कहा कि प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री जी के बाल्यकाल से प्रधानमंत्री बनने तक सेवा भाव में उनके कार्यों को प्रदर्शित किया गया जो युवाओं को प्रेरणा देते है।इस अवसर उन्होंने आमजन से ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर प्रदर्शनी को देखने की अपील की गई। इस अवसर पर सत्येन्द्र तोमर पूर्व जिलाध्यक्ष, पुनीत द्विवेदी, सलील द्विवेदी, दामोदर सैनी, ओम प्रकाश, घनश्याम पारचा, शशि अरोरा, विवेकप्रेमी, बादल गौतम , रोहित विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, राहुल जैन, सुधा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कैलिया के दरोगा विवेक कुमार मिश्रा ने चाकू के साथ पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया के दरोगा विवेक कुमार मिश्रा और उनके हमराही शांति व्यवस्था हेतु भ्रमण कर रहे थे तभी ग्राम कुदइया में एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा शक होने पर पुलिस ने उसे दौड़कर पकड़ लिया और जब उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से पुलिस ने एक चाकू नाजायज बरामद किया है पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में दर्ज कर लिया है

सरकारी अस्पताल में मिले नवजात शिशु के शव मिलने से सीएमओ कोंच आये

अस्पताल के खराब कैमरे ठीक कराये जायेंगे सीएमओ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) बीते दिनों कोंच के सरकारी अस्पताल के बाथरूम के पास एक नवजात शिशु का शव एक प्लास्टिक के डस्टबिन में मिलने के

बाद हड़कंप मच जाने के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया इस सरकारी अस्पताल के बाथरूम के पास हुई घटना की जांच करने के लिये सीएमओ डा नरेंद्र देव शर्मा कोंच आये और जांच पड़ताल की उन्होंने पत्रकारों को जानकारी देते हुये बताया है कि बीते दिन मुझे दूरभाष पर जानकारी हुई थी कि सरकारी अस्पताल के महिला बाथरूम में न मृत अवस्था में एक नवजात शिशु का शव सफाई करते हुए सफाई कर्मी को बाथरूम में मिला था इसकी जांच खुद में करने आया हूं जानकारी पुलिस को तहरीर दे दी है जो घटना हुई है गलत हुई है अस्पताल सुरक्षित परिसर होता है यह नव जात शिशु का शव बाथरूम तक कैसे पहुंच गया और अस्पताल में तीन गेट है जो रात के समय खुले रखते है और दो गार्ड ड्यूटी पर थे यह चूक हुई है और शव बाथरूम में कैसे पहुंच गया पुलिस इसकी इन्वेस्टिगेशन कर रही है अगर कोई दोषी पाया जायेगा कार्यवाही की जावेगी यह पूछे जाने पर कि सरकारी अस्पताल में सीसी कैमरे लगे है जो खराब है इस पर उन्होंने बताया है कि कुछ कैमरे खराब जरूर है और भी कैमरे है जांच की जायेगी और अब पुलिस जांच कर रही है पोस्टमार्डम रिपोर्ट के बाद कार्यवाही होगी जो भी दोषी होगा पुलिस कार्यवाही करेगी

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भी नहीं रुके कदम, बाराबंकी के बलवीर ने जर्मनी में फिर जीता कांस्य पदक

अंग प्रत्यारोपण के बाद भी बाराबंकी के बलवीर के कदम नहीं रुके। जर्मनी में फिर से कांस्य पदक जीता। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पत्नी और परिवार को दिया है। कहा कि हौसला हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अगर जज्बा हो तो कोई बीमारी या कठिनाई इंसान को रोक नहीं सकती।

मैं अंग प्रत्यारोपण के बाद भी यह साबित करना चाहता था कि जिंदगी हार मानने के लिए नहीं, लड़ने के लिए होती है। यह कहना है बाराबंकी के बलवीर सिंह का। जिन्होंने जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करके बैडमिंटन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। यह उनकी पांचवीं अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि है। वह देश का प्रतिनिधित्व करते हुए बैडमिंटन में दो बार स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं। रविवार को अमर उजाला कार्यालय पहुंचे बलवीर ने बताया कि 2009 में जब डॉक्टरों ने कहा कि मेरी दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं, तो जीवन जैसे ठहर गया। मेरी 45 बार डायलिसिस हुई। 2011 में प्रत्यारोपण हुआ और मुझे किसी अज्ञात दाता का जीवन-तोहफा मिला। तब मैंने खुद से वादा किया कि अब इस जिंदगी को रुकने नहीं दूंगा। खेल ही मेरी सांसों की ताकत बनेगा।डायलिसिस के बाद मैं टूट जाता था... बलवीर ने बताया कि जब उनकी किडनी ट्रांसप्लांट का समय आया तो उनके भाई जगवीर सिंह ने कर्ज लेकर उनका सहयोग किया और हमेशा साथ देते रहे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस कठिन सफर में उनकी पत्नी ममता सिंह और परिवार ने सबसे बड़ी ताकत दी।

कई बार डायलिसिस के बाद मैं टूट जाता था, लेकिन मेरी पत्नी ने कभी मेरा हौसला गिरने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता। हर पदक सिर्फ मेरा नहीं है, यह मेरी पत्नी, बच्चों और पूरे परिवार का है। असल में यह माता-पिता का आशीर्वाद है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैंने सीखा है कि इंसान का असली साथी उसका जज्बा और परिवार होता है। अंगदान करने वाले लोग असली हीरो हैं। अगर वो न होते तो आज मैं भी न होता। मेरी जीत दरअसल मानवता की जीत है।% डीएम ने की सराहना... दिलाएंगे गौरव सम्मान जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि बलवीर की उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्हें उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान दिलाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। उनके प्रमोशन पर भी विचार होगा। वे युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर परचम 2015- अर्जेंटीना = स्वर्ण और कांस्य पदक। 2017- स्पेन = बैडमिंटन एकल में स्वर्ण। 2019- यूनाइटेड किंगडम = खराब तबीयत के बावजूद रजत। 2023- ऑस्ट्रेलिया शानदार प्रदर्शन। 2025- जर्मनी हंगरी व ग्रेट ब्रिटेन के खिलाड़ियों को हराकर कांस्य।

दादरी गांव में पुलिस पर पथराव, गुर्जर समाज के 400 लोगों का हंगामा, लाठी लेकर दौड़ाया

सम्राट मिहिर भोज द्वार को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। गुर्जर समाज ने दादरी में पंचायत करने का ऐलान किया था। पुलिस ने सैकड़ों लोगों को गांव के बाहर ही रोक लिया। इस पर लोग भड़क गए।दौराला के कपसाड़ गांव में लगाए गए सम्राट मिहिर भोज के द्वार को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। गुर्जर समाज लगातार बोर्ड हटाने की मांग कर रहा है। इसको लेकर दादरी में स्वाभिमानी पंचायत का ऐलान किया गया था। रविवार सुबह से ही एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल गांव के बाहर से लेकर आयोजन स्थल तक तैनात रहा। दोपहर को अभिनव, रविन्द्र भाटी, सोनू, प्रवेश के नेतृत्व में लगभग 300-400 लोग दादरी गांव के बाहर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को गांव में नहीं घुसने दिया, जिस पर लोगों ने नारेबाजी करते हुए फ्लाईओवर के नीचे धरना शुरू कर दिया। धरने के दौरान कुछ लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिस पर पुलिस ने लाठी फटकार कर धरना दे रहे लोगों को खदेड़ना शुरू कर दिया। पुलिस ने रविंद्र, अभिनव, सोनू और प्रवेश को गिरफ्तार कर लिया, जिस पर उनके साथ आए अन्य लोग भी गिरफ्तारी देने पर अड़ गए। पुलिस ने सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चेतावनी दी कि यदि बिना अनुमति के पंचायत करने का प्रयास किया गया या माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि स्थित सामान्य है। कुछ गिरफ्तारी की गई है। पुलिस बल तैनात है।

Gen Alpha's slangs have become a headache for parents, even AI can't decipher the secret codes of emojis.

Over time, people's speech has changed significantly. The biggest change has been in Gen Alpha's language. They now speak in slangs and emojis, which are difficult for parents to understand (Gen Alpha Slang Decoding). Not only parents, but even AI is finding it difficult to decipher the meaning of these slangs and emojis. Gen Alpha prefers to speak in slangs and emojis, which parents cannot easily understand. Sometimes, these slangs and emojis are also used by children to bully. In today's digital age, Gen Alpha (the generation born after 2010) has created its own language on social media and gaming platforms. Slangs (Gen Alpha Slang) and emojis (Emoji Secret Code) are not just a source of fun for them, but are also used to covertly humiliate or bully each other. Yes, many times on social media, they also make such comments under each other's posts, which parents do not understand, but in the language of children, they are insulting or bullying each other. The problem of parents and AI - The problem is that not only parents, but even Artificial Intelligence (AI) fails to understand the true meaning of these slangs and emojis (AI Comprehension Gap). For children, this is a kind of secret code, which they immediately understand, whereas adults often get confused. You can understand dangerous slangs and their meaning with the help of some examples, like- “KYS” - Earlier it meant Know Yourself, but now children use it as Kill Yourself and it becomes difficult for parents to understand. “Bop” - This word is used to defame a girl or question her character. The kidney beans emoji—a seemingly innocent emoji, but among Gen Alpha, it has become code for incel (someone who considers themselves involuntarily celibate). The skull emoji—was once used for a joke or a funny statement. Now, if someone writes "You ate that up" and adds this emoji, it means mocking—"What a loser." The difference in understanding between children and adults: A study found that 92% of Gen Alpha children recognize the dangerous meanings of slang and emojis. On average, parents can only detect one-third. AI models lag far behind, with even the best model correctly identifying only 42%. Why is this a concern? - Online safety—When parents can't understand children's language, they won't be able to spot signs of bullying, online predatory behavior, or depression in time. Rapidly changing codes—These slangs and emojis come and go quickly. What's popular today may disappear tomorrow, and a new one will emerge. This is why parents are always left behind. Way forward: Experts believe that parents should stay updated on technology and children's language. Some apps and surveys are being developed to help parents understand new slang and emojis. Overall, the digital language of Gen Alpha isn't just fun or trendy, it also holds hidden dangers. Children understand these codes instantly, but for parents and even AI, it's nothing less than "code-breaking." Therefore, it's important that parents talk openly with their children about this and try to understand their language so they can protect and help them from dangers like cyber-bullying.

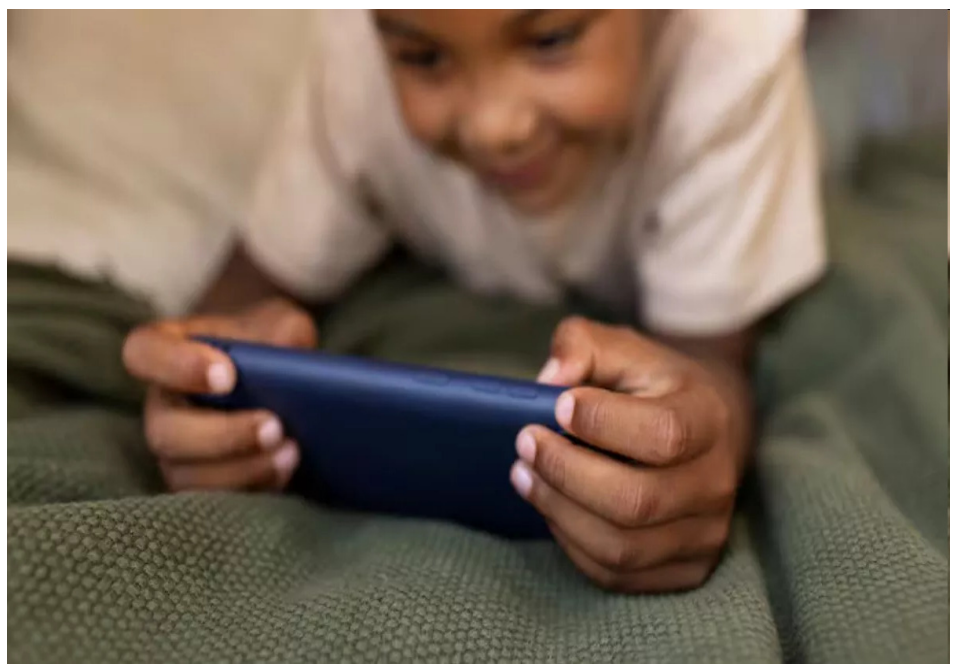

Two specific exercises will not only keep you fit but also protect you from cancer, a surprising discovery by scientists.

We often hear that daily exercise is essential for health, but did you know that exercise not only keeps you fit but can also help fight serious diseases like cancer? Recent research shows that two specific types of exercise produce chemicals in the body that are very effective in fighting cancer cells. It is important to understand that exercise is not a cure for cancer. It acts as an adjunct therapy to chemotherapy and radiation. It can make the treatment process easier by strengthening the body. Daily exercise is recommended to stay healthy. This includes various types of exercise, but did you know that exercise can also prove helpful in fighting cancer? According to one study, both resistance training (RT) and high-intensity interval training (HIIT) produced sufficient levels of myokines to help fight cancer. Whereas RT uses weights to strengthen muscles. The magic of HIIT and weight training HIIT involves short and intense bursts of exercise followed by brief recovery periods. These include sprinting, jump squats, burpees, mountain climbers, etc. This improves cardiovascular fitness and endurance. These exercises can reduce the side effects of treatment, reduce the risk of cancer metastasis, and strengthen the immune system. Resistance training, on the other hand, involves exercises using dumbbells, resistance bands, your own body weight, etc. This helps build muscle. However, it is important to consult a doctor or qualified physiotherapist before starting any exercise program. The risk of breast cancer can be reduced by up to 25% Researchers at Edith Cowan University (ECU) found that cancer survivors who followed either resistance training or HIIT had better outcomes. High-intensity aerobic exercise may reduce the risk of cancer metastasis because it increases glucose absorption by internal organs, thereby reducing energy for cancer cells. High-intensity exercise increases immune regulatory molecules called cytokines in the body, which play a key role in suppressing cancer cells and promoting immune responses. They reduced breast cancer cell growth by 22 percent and 25 percent, respectively. Francesco Bettariga said this suggests that both types of exercise may help slow cancer cell growth. Resistance training is effective in preventing muscle loss. However, there was no significant difference between the effects of RT and HIIT. Resistance training is helpful in preventing or reversing muscle wasting caused by cancer and its treatment. It helps reduce fatigue in cancer patients and improves overall physical condition. Bettariga said that interestingly, the reduction in cancer cell growth with HIIT was linked to an increase in lean muscle mass and a decrease in body fat after 12 weeks of training. The team said that different types of exercise have different effects on the body, where resistance training can significantly improve muscle strength and volume, while HIIT can stimulate cardiorespiratory fitness and reduce fat mass. 12-Week Training Program Bettariga said it's important to know whether different exercises have different effects on myokines and what their potential anti-cancer effects are. Myokines are proteins produced by muscles during exercise that have anti-cancer effects. The team followed breast cancer survivors through a 12-week training program. Bettariga said that laboratory tests using blood samples from breast cancer survivors showed that each affects the growth of breast cancer cells. The results showed that participants in both groups had higher levels of myokines at 12 weeks than at the beginning, meaning that no matter what type of exercise you do, you can reap the benefits.

Adulterated buckwheat flour can land you in the hospital! Learn how to distinguish between real and fake flour before Navratri.

Navratri is about to begin, and during this fast, buckwheat flour products are consumed in abundance. Every year, there are reports of people falling ill after consuming buckwheat flour. This is due to adulteration. Indeed, fake buckwheat flour can be extremely harmful to health. Let's learn some special ways to check its purity. People use buckwheat flour during Navratri fasts. Consequently, the demand for buckwheat flour increases significantly. Some traders even adulterate buckwheat flour. It's hard to imagine a Navratri fast without buckwheat flour. Buckwheat, the most commonly consumed grain during Navratri (Navratri 2025), finds a place in every household's plate. But did you know that buckwheat flour available in the market can often be adulterated? This not only compromises your health but can also land you in the hospital. Therefore, it's crucial to distinguish between genuine and fake buckwheat (How to Check Kuttu Atta Purity) before this Navratri. Let's find out. Why is buckwheat flour adulterated? Buckwheat flour sells in abundance during Navratri. When demand suddenly increases, some traders mix cheaper, similar-looking flour with it to make a profit. Sometimes, water chestnut flour, arrowroot, or even refined flour are mixed in and packaged. Harmful effects of adulterated buckwheat flour: Stomach problems: Gas, constipation, and diarrhea can occur. Risk of food poisoning: Prolonged storage or adulterated flour can cause vomiting and stomach pain. Weakened immunity: Lack of nutrition increases the likelihood of frequent illness. Allergy problems: Many people experience skin rashes and itching from adulterated flour. How to identify adulterated buckwheat flour? Pay attention to the color: Genuine buckwheat flour is light brown or gray, while counterfeit flour can appear very white or shiny. Identify by smell: Genuine buckwheat flour has a slight earthy smell, while adulterated flour has no distinctive odor. Touch: Genuine flour is slightly grainy, while counterfeit flour will feel finer and smoother. Test in water: Add a small amount of flour to a glass of water. Genuine buckwheat flour floats to the top and dissolves slowly, while counterfeit flour immediately settles to the bottom. Identify by taste: Genuine flour has a slight astringency, while counterfeit flour can be tasteless or sweet. Keep these things in mind: Always buy flour from trusted brands or reputable stores. Be sure to check the manufacturing and expiry dates on the packaging. Instead of buying a large quantity of flour at once, buy as needed to prevent it from going stale. If in doubt, do a small test and then use it for cooking. The purpose of fasting is to purify the body and calm the mind, but consuming adulterated flour can negate the benefits of fasting. Therefore, whenever purchasing buckwheat flour, be cautious and use the methods described above to identify it.

A new photo of a 'pregnant' Katrina Kaif with a baby bump goes viral, fans say, "This is what I've been waiting for."

Katrina Kaif Pregnancy: 42-year-old actress Katrina Kaif is reportedly expecting a baby. Three years after their marriage, Vicky Kaushal and Katrina are set to become parents. Amidst the pregnancy rumors, a photo of Katrina Kaif is expecting for the Deepika Padukone and Kiara glamorous actress Katrina Kaif pregnant after nearly four years of pregnancy surfaced, she has any events or parties. Vicky Bollywood alone yesterday, further was seen flaunting her baby bump. Vicky nor Katrina have made it will soon announce their Katrina with a baby bump. A posing in a red gown, her baby in the caption, "Look at this new advertisement." It's being said that shoot. Fans are overjoyed - After excitement for Katrina Kaif. One her pregnancy - we won." Another said, "I think it all happened because of the subconscious mind. Of course, Vicky also had a little contribution in it. Congratulations to Kat. May the evil eye not fall on her." Another user wrote, "This is what I was waiting for."

the actress is going viral, showing her baby bump. first time. Katrina married Vicky in 2021. After Advani became mothers, now there's news of B-town's becoming a mother. It's being said that Katrina is marriage. Ever since the news of Katrina Kaif's remained out of the limelight and has been avoiding Kaushal attended the premiere of The Bads of fueling rumors of the actress's pregnancy. Katrina Kaif Fans are eager to see pictures of Katrina Kaif. Neither official yet. However, speculation is rife that the couple pregnancy news. This is due to a recent photo showing Reddit user shared the photo, in which Katrina is bump clearly visible. Sharing the photo, the user wrote BTS photo of Katrina Kaif, which looks like an Katrina may announce her pregnancy during an ad this new photo went viral, fans are expressing their user said, "After 3 years, when Katrina announced said, "So happy for her. Congratulations." Another

Deepika Padukone didn't sit quiet after being removed from Kalki 2? She said, "What kind of people are you working with?"

After the controversy with Sandeep Reddy Vanga over "Spirit," Deepika Padukone has now been shown the door by the makers of Kalki 2. Vyjayanthi Movies officially announced this. After being removed from two big films, a post, she taunted those who called her to her exit from Kalki 2. Indirectly Has Deepika Padukone learned this in of discussion on social media for the past without naming the actress, called her demand for 8-hour shifts. He then starrer "Spirit" and cast Tripti Dimri rumors had been circulating for some dropped from "Kalki 2." Now, confirmed that Deepika Padukone is not starrer "Kalki 2." Deepika Padukone allegations of unprofessionalism, She has indirectly taunted the makers. Padukone announced the start of on her official Instagram account. In the However, it's the caption she wrote that's Deepika Padukone has indirectly makers of Kalki 2 with this post. The ago, while shooting Om Shanti Om, the of making a film and the people you work with are more important than the success of any movie. I completely agreed with him, which is why I've applied this principle to every decision I've made since then, which is why we're doing our sixth film together." Husband Ranveer Singh and fans encouraged Deepika Padukone. Commenting on this post, Ranveer Singh wrote, "Best bestie." Fans encouraged their favorite actress, writing, "May God always give you the best, may no one bring you down." Another user wrote, "Great reply. Those who know know what Deepika wants to say." Another user wrote, "Thank you for taking a stand for yourself. No one has the right to question your professionalism and commitment. You worked even during the final months of your pregnancy. We have seen your work ethics and professionalism over the years. It takes courage to reach where you are today." Let us tell you that this entire matter started when Deepika Padukone demanded an 8-hour shift from Sandeep Reddy Vanga to take care of her daughter Dua.

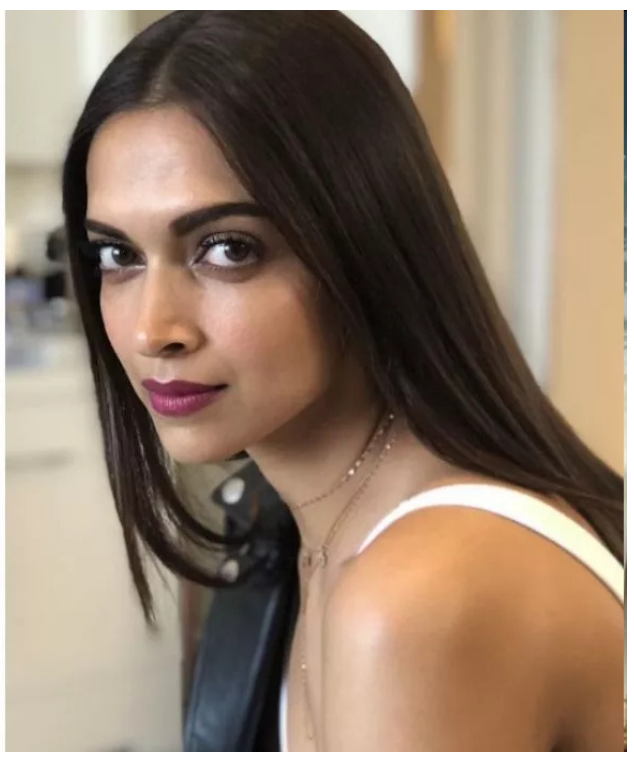

Deepika Padukone didn't sit quiet either. With unprofessional. Deepika gave a befitting reply taunted in the caption of this Instagram post? 18 years? Deepika Padukone has been a topic few months. Recently, Sandeep Reddy Vanga, unprofessional on his ex-account due to her removed her from the upcoming Prabhas-in the film. Following her exit from "Spirit," time that Deepika Padukone had also been Vyjayanthi Movie Makers has officially a part of the Prabhas and Amitabh Bachchan-has finally broken her silence on the persistent demanding shifts, and demanding high fees. She was taught this 18 years ago. Deepika shooting for "King" with Shah Rukh Khan photo, she is holding King Khan's hand. drawing attention. Social media users believe taunted Sandeep Reddy Vanga and the "Piku" actress captioned the photo, "18 years first thing he taught me was that the experience

'The Bads of Bollywood' released on OTT platform. Did Aryan Khan pass or fail in directing?

The Bads of Bollywood X Review: Actor Shah Rukh Khan's son, Aryan Khan, has made his Bollywood debut as a director. This web series was released on the OTT platform today. Let's find out how much people are liking they dislike it. The Bads of Bollywood Khan has directed the series. Big stars series. The long-awaited moment has anticipated web series, The Bads of platform on September 18, 2025. This because it is directed by Shah Rukh Khan, instead of following in his career in direction instead of acting. his debut series The Bads of Series The Bads of Bollywood). Ever series, it was creating a lot of buzz. also left no stone unturned in exciting Khan's first web series The Bads of OTT, let us tell you how the audience Sameer Wankhede in the series up in the cruise drug party and who caught him. Now users are after seeing Sameer's lookalike in wrote, "How did Aryan Khan find Wankhede? This parody of his was and watched this scene multiple Ranbir Kapoor and Emraan trailer for "The Bads of Bollywood" came out, it was revealed that stars like Salman Khan, Ranveer Singh, and Shah Rukh Khan would have cameos in the series. However, when the series was released, everyone was surprised to see Ranbir Kapoor's cameo. People loved not only Ranbir's cameo, but also Emraan Hashmi's. Furthermore, people are also praising Lakshya Lalwani. The cameos play a major role in the series. The series is available on the OTT platform Netflix.

this web series and how much released on OTT platform. Aryan have made cameos in Aryan's finally arrived. Cinema's most Bollywood, released on the OTT series is so much in the news Khan's son, Aryan Khan. Aryan father's footsteps, has pursued a He has worked as a director in Bollywood (Aryan Khan Debut since the announcement of this Its preview video, cast and trailer the audience. Now that Aryan Bollywood has been released on liked this series? Character like Aryan Khan's name had come Sameer Wankhede was the one unable to control their laughter Aryan's web series. One user someone who looks like Sameer so funny. I was laughing so hard times." People were surprised by Hashmi's cameos. When the